अनुक्रमांक ....

नाम ....

102 **302 (ZL)**

2020

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे **15** मिनट] [पूर्णांक : **100**

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड -क)

1. (क) 'सौ अजान एक सुजान' के लेखक हैं।

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ii) प्रतापनारायण मिश्र

iii) श्यामसुन्दर दास

iv) बालकृष्ण भट्ट।

(ख) पाण्डेय बेचन शमां 'उग्र' को कृति 'अपनी खबर' किस विधा को रचना है?

i) संस्मरण

ii) आत्मकथा

iii) जीवनी

iv) रेखाचित्र ।

(ग) 'कवि-वचन सुधा' के संपादक थे ।

i) लालकृष्ण भट्ट

ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iii) प्रतापनारायण मिश्र

iv) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' ।

(घ) सरदार पूर्ण सिंह किस युग के लेखक हैं ?

i) भारतेन्दु युग

ii) द्विवेदी युग

iii) छायावाद युग

iv) प्रगतिवाद युग।

(ड.) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की रचना है

i) चिन्तामणि

ii) पंच परमेश्वर

ii) कुटज

iv) चन्द्रकान्ता ।

2. क) 'अज्ञेय' जी की रचना है

i) कुरुक्षेत्र

ii) हरी घास पर क्षण भर

iii) रश्मिरथी

iv) हुंकार ।

ख) रीतिमुक्त कवि है

i) बिहारी

ii) भूषण

iii) केशव

iv) धनानंद ।

ग) हिन्दी साहित्य के किस काल को पूर्व मध्यकाल कहा जाता है ?

i) आदि काल

ii) भक्ति काल

iii) रीति काल

iv) आधुनिक काल।

घ) सुमित्रानन्दन पंत को 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' मिला था

i) 'लोकायतन' पर

ii) 'कला और बूढा चाँद' पर

iii) ‘चिदम्बरा’ पर

iv) 'अतिमा' पर ।

ङ) 'कामायनी' में सों की संख्या कितनी है ?

i) बारह

ii) चोदह

iii) पन्द्रह

iv) सत्रह ।

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

जन का प्रवाह अनंत होता है । सहस्त्रो वर्षो से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है । जब तक सूर्य की रश्मियां नित्य प्रातःकाल भवन को अमृत से भर देती हैं तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद मी राष्ट्र निवासी जन नयी उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर है। जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है।

i) 'जन का प्रवाह' से क्या तात्पर्य है?

ii) राष्ट्र निवासी जन किसके समान आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर है ?

iii) उत्थान के घाटों का निर्माण कैसे होगा?

iv) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

v) पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम बताइये।

अथवा

मगर उदास होना बेकार है । अशोक आज में उसी मोज में है, जिसमें आज से दो हजार वर्ष पहले था। कहीं भी तो कुछ नहीं बिगड़ा है, कुछ भी तो नहीं बदला है । बदली है मनुष्य की मनोवृत्ति । यदि बदले बिना वह आगे बढ़ सकती तो शायद वह भी नहीं बदलती। और यदि वह न बदलती और व्यावसायिक संघर्ष आरम्भ हो जाता - मशीन का रथ घर्घर चल पड़ता - विज्ञान का सावेग धावन चल निकलता तो बड़ा बुरा होता ।

i) लेखक के अनुसार किसमें परिवर्तन हुआ है ?

ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए ।

iii) ‘मनोवृत्ति’ और 'धावन' शब्दों का आशय लिखिए।

iv) अशोक आज भी उसी मौज में क्यों है ?

v) उपर्युक गद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 x 2 = 10

निरख सखी, ये खंजन आये,

फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाये ।

फेला उनके तन था आतप, मन से सर सरसाये,
धूमे वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहाँ उड़ छाये !
करके ध्यान आज इस जन का निश्चय वे मुसकाये,
फूल उठे हैं कमल, अधर से यह बन्धूक सुहाये !
स्वागत, स्वागत, शरद भाग्य से मैंने दर्शन पाये,
नभ ने मोती वारे, लो, ये अश्रु भर लाये ।।

i) उर्मिला को शरद के विविध रूपों में किसकी छवि दिखाई देती है ?

ii) खंजन की उपमा किससे की गई है ?

iii) उर्मिला अर्घ्य रूप में प्रदान करने के लिए क्या लायी है ?

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) बन्धूक को अधर के समान क्यों कहा गया है ?

अथवा

सावधान मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार।
हो चुका है सिद्ध, हे तू शिशु अभी अज्ञान;
फूल कांटों को तुझे कुछ भी नहीं पहचान,
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगी अंग, तीखो है बड़ी यह धार ।।

i) विज्ञान को तलवार क्यों कहा गया है ?

ii) मनुष्य को शिशु और अज्ञान क्यों बताया गया ?

iii) यहाँ मानव को क्या संदेश दिया गया है ?

iv) रेखांकित अंश को व्याख्या कीजिए।

v) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके कवि का नाम लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनको कृतियों का उल्लेख कोनिए: (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+ 2 =5

i) वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

iii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) सुमित्रानन्दन पंत

ii) रामधारी सिंह दिनकर

iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'।

6. 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए ।

अथवा

'बहादुर' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य लिखिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'रश्मिरथी' के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए।

iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दो में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गांधी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

iv) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार लिखिए।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में, लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर राज्यश्री का चरित्रांकन कीजिए।

vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **2 + 5 = 7**

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुयंञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थम् यादृशी सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीम् किञ्चिदन्यत् ।।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे चतुष्पदाः सिंह राजानमकुर्वन । मत्स्या आनन्दमत्स्यं, शकुनयः सुवर्ण हंसम् । तस्य पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत । स तस्ये वरमदात् यत् सा आत्मनश्चित्तरुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति।

(ख) दिये गये पद्यांशों/श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु

लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम् ।

अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा

न्यायात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः ।।

अथवा

अये लाजानुच्चैः पथि वचनमाकर्ण्य गृहिणी

शिशौः कर्णो यत्नात् सुपिहितवती दीनवदना ।।

मयि क्षीणोपाये यदकृतं दृशावश्रुबहुले

तदन्तः शल्यं त्वमसि पुनरुद्धर्तुमुचितः ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1+1= 2**

(i) अपना उल्लू सीधा करना ।

(ii) घी के दीये जलाना ।

(iii) एक पंथ दो काज ।

(iv) एक अनार सौ बीमार ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'अत्याचार' का सही सन्धि-विच्छेद है-

(अ) अत्य + आचारः

(ब) अति + आचारः

(स) अत् + आचारः

(द) अ + त्याचारः ।

(ii) 'राजर्षिः' का सही सन्धि-विच्छेद है-

(अ) रा + अजर्षिः

(ब) राजस् + ऋषिः

(स) राज + ऋषिः

(द) राजन् + ऋषिः ।

(iii) 'नायक:' का सही सन्धि-विच्छेद है-

(अ) ने + अक:

(ब) न + आयकः

(स) नाय + अक:

(द) नो + अकः ।

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों को सही 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार चयन कीजिए :

(i) 'राजभि:' शब्द में विभक्ति और वचन है-

(अ) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

(ब) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(स) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

(द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन ।

(ii) 'जगति' शब्द में विर्भाक्त और वचन है-

(अ) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(ब) पंचमी विभक्ति, एकवचन

(स) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन।

1. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अभय-उभय -

(अ) भयपूर्ण और भयरहित

(ब) भयहीन और दोनों

(स) आकाश और पृथ्वी

(द) आशा और लापरवाही ।

(ii) कुल-कल -

(अ) पूरा और अधूरा

(ब) यहाँ और वहाँ

(स) इस ओर और उस ओर

(द) वंश और किनारा ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए :

(i) अनंत

(ii) पत्र

(iii) तीर ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) जिसका ज्ञान कम हो -

(अ) अल्पज्ञ

(ब) अज्ञेय

(स) अनजान

(द) अक्षम ।

(ii) जंगल में स्वयं लगनेवाली आग -

(अ) सर्वाग्नि

(ब) वड़वाग्नि

(स) जठराग्नि -

(द) दावाग्नि ।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

(i) कृष्ण और राधा नृत्य कर रहा है ।

(ii) मै कलम के साथ लिखता हूँ।

(iii) अध्यापक कक्षा में पढ़ा रहा है ।

(iv) सूर्य पूरब में निकलता था ।

12. (क) 'हास्य' रस अथवा 'रोद्र' रस का स्थायी भाव बताते हुए उसकी परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए ।

(ख) 'सन्देह' अलंकार अथवा 'भ्रान्तिमान' अलंकार का लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए ।

(ग) 'सोरठा' छन्द अथवा 'रोला' छन्द का मात्रा सहित लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए ।

13. अपने क्षेत्र में प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुए नगर आयुक्त को एक पत्र लिखिए।

अथवा

अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने के लिए शैक्षिक ऋण प्राप्त करने के उद्देश्य से किसी बैंक के प्रबन्धक को पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

(i) विद्यालयों में खेल-शिक्षा का महत्व

(ii) परिश्रम का महत्व

(iii) भारतीय संस्कृति : संरक्षण और संवर्द्धन

(iv) महिला आरक्षण को सार्थकता ।

http://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और **10** रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से